चाय की प्याली

दो प्याले

एक चाय हो जाये । जियो पल शकुन के, एक प्याली चाय के साथ । दिनभर रहो तरोताजा।स्वास्थ्यप्रद, गुणकारी, स्वादिष्ट घुट। ।

हेमंत-रीतु की
कविता के

©ALLRIGHTS RESERVED HEMANT-RITU 2020

PUBLISHED BY VICHAR PRESS

एक चाय की प्याली

सूरज की किरणें खिड़की से
मेरे चेहरे पर आई,
मै अलसाई, ली अंगडाई,
हल्का सा मुस्काई,
मुस्काते हुए बोली- यदि
बना दो तुम अदरक वाली
चाय की प्याली ,
यह सुनहरी सुबह और भी
होगी मतवाली ।

पति मेरे थोडे से पत्नी-व्रता
- चले kitchen की ओर,
अदरक, इलायची और केसर
की महक फैले चारो ओर।
आवाज़ लगाई - 'Love' -
Ready है तेरी अदरक वाली चाय ।
मै खुश थी- इतराई, इठलाई,
बोली क्या तकदीर है तूने पायी !

चाय की चुस्की ली- पति को देख
मंद - मंद मुस्काई,
दिल से बोला-Thank you
जनाब! क्या perfect चाय है
तूने बनायी,

चाय पर हुई ढेर सारी
खट्टी-मीठी देश-विदेश की बातें,
Time का पता न चला -
Word puzzle sove करते
और निमकी खाते - खाते ।

सुबह की शुरुआत हुई
चहकते हुए,
दिन भी निश्चय ही बीतेगा
महकते हुए,
Lockdown का भी
ऐसे ही बीत जाएगा ये
कठिन दौर,
हम सब बढ रहे हैं,
अंधेरे से उजाले की ओर ।

छोटी- छोटी खुशियाँ ही
बनाती हैं जिदंगी को खास,
यदि हमेशा आप रखें
Positive सोच अपने पास,
यह मत सोचो कि हमारे
जिदंगी में बचे कितने पल है,
सोचना और करना यह है कि
हमारे हर पल में भरपूर जिंदगी है!!

*-**रीतु बिनानी मुधंड़ा** -*

©ALLRIGHTS RESERVED HEMANT-RITU साल2020

PUBLISHED BY VICHAR PRESS

रितु, तुम्हारी चाय की बात हो, ओर हम कुछ ना कहे?
तो तुम्हारी चाय ठंडी ना हो जायेगी !
पधारो यहाँ

चाय की चर्चा

हर चीज के लिये जगह,

हो हर चीज अपने स्थान पर।

पर जब चाय की प्याली आती है हाथ मे,

मुस्कान छा जाती, चेहरे के हर पड़ाव मे ।।

कहते है, हर चीज अपने समय पर

अच्छी लगती है।

कम्बखत,एक यह चाय की प्याली ही है,

जो हर वक्त अच्छी लगती है ।।

हर चीज के लिये मन बनाना पड़ता है

अपने दिल को हमेशा बहलाना पड़ता है।

पर एक यह चाय की प्याली ही तो है,

बैठकर जिसपे ये दिल, घंटों का हिसाब भुल जाता है ।।

कह सकते है काॅफी ओर चाय सगी बहन सी है,

उत्तर से दक्षिण को ये ही पिरोती है।

काॅफी पर अनजानों से रिश्ते बनते हैं,

चाय की वो प्याली पर, दिल जुड़े रहते है ।।

जीवन जब भी ऐसे पड़ाव पर आये,

न हो रहा हो कुछ करने का मन,

फिर से बना लो उस चाय की प्याली को सखी,

है वो केसर, इलायची ओर अदरक की बहुरूपी ।।

जब भी ये सोचने की खता करता हूँ,

पूछता हुँ की, एसी क्या बात है इस चाय मै?

अनायास ही चेहरे पर एक मुस्कान सी आ जाती है,

मेरे इस प्रशन के उबाल मे ही,उत्तर का स्वाद दे जाती है ।।

©ALLRIGHTS RESERVED HEMANT-RITU साल2020

PUBLISHED BY VICHAR PRESS

मेरी इस चाय की प्याली ने,गत दशको मे,

कुछ ओर नामों से अपनी नयी पहचान बनायी है।

Tea bags से लेकर Ready-mix मे बंध पाई है।

पर जब भी मै बुलाता हुँ, "मेरी अदरक वाली चाय"!

वो सब बंधन छोड़, मेरे साथ उबलने आयी है।

कुछ चाय के सुट्टे , यहाँ-वहाँ से भी...

सांवले रंग पर मत जा गालिब,

मैने दूध से ज्यादा चाय के दीवाने देखे है।

जिंदगी चाय की तरह है,

Taste नहीं किया तो

Waste हो जायेंगी ।

सुनो ना...चाय जैसे हो तुम,

जब तक मिलते नहीं,

शकुन नहीं आता जिंदगी में ।।

गर्लफ्रेंड रोज मिले या ना मिले,

चाय रोज मिलनी चाहिए ।।

दिल नही, दिल मे प्यार चाहिये,

प्यार नही, चाय चाहिये ।

सबकी चाय निराली होती है,

क्योकि उसे कोई पिलाने वाली होती है।

गरम चाय की वो प्याली,

मुझे 'उसके' होने का अहसास दिलाती है ।।

*-**हेमन्त मुधंड़ा**-*

चाय के नशे का आलम,

तो कुछ यूँ है गालिब,

कोई राय भी पूछे तो,

अदरक वाली बोल देते है ।।

दो चार लोग तुमसे,

मोहब्बत क्या करने लगे,

तुम तो खुद को,

चाय समझ बेठे ।।

लहजा जरा ठंडा रखे जनाब,

गरम तो हमें सिर्फ चाय पसंद हैं ।।

©ALLRIGHTS RESERVED HEMANT-RITU साल2020

PUBLISHED BY VICHAR PRESS

....

चाय की प्याली

दो प्याले

©ALLRIGHTS RESERVED HEMANT-RITU साल2020
PUBLISHED BY VICHAR PRESS